रजि. नं. पी.बी./जे.एल–011/2015-17 RNI No. 26281/74

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब

साप्ताहिक आर्य मर्यादा

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब का प्रमुख साप्ताहिक पत्र

5 एवं 12 जून, 2016

मूल्य : 10 रु.
वर्ष: 73 अंक : 10-11
सृष्टि संवत् 1960853117
5 एवं 12 जून, 2016
दयानन्दब्द 193
वार्षिक : 100 रू.
आजीवन : 1000 रू.
दूरभाष : 2292926, 5062726

जालन्धर

वर्ष–73, अंक : 10-11, 5-12 जून 2016 तदनुसार 30 ज्येष्ठ सम्वत् 2073 मूल्य 2 रु०, वार्षिक 100 रु० आजीवन 1000 रु०

पूज्या माता राज कुमारी शर्मा जी का श्रद्धांजलि समारोह विशेषांक

स्व. श्रीमती राज कुमारी शर्मा जी

पूज्या माता श्रीमती राज कुमारी शर्मा जी का जीवन चरित्र

लबों पे उसके कभी बद्दुआ नहीं होती।
एक मां है जो हमसे कभी खफा नहीं होती।।

पूज्या माता राज कुमारी शर्मा जी अपने नाम के अनुरूप अपने त्याग, प्रेम व कल्याण की भावना से सबके दिलों पर राज करने वाली एक ऐसी विभूति थी जिनकी उपस्थिति मात्र से वातावरण सजीव हो उठता था। आज उनकी अनुपस्थिति सूनेपन का अहसास दिला रही है। आज हम मातृत्व की छाया से वंचित हो गये हैं।

माता राज कुमारी शर्मा जी का जन्म 10 जुलाई 1923 को लुधियाना के ललितो कलां में हुआ। कर्मठता, ईमानदारी, सच्चाई व स्पष्टवादिता की प्रतिमूर्ति माता जी का विवाह आर्य जगत के भामाशाह, दानवीर पं. हरबंस लाल शर्मा जी से 1942 में प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री श्री राकेश शर्मा के दादा पं. लोकनाथ जी तर्क विद्यावाचस्पति के द्वारा वैदिक रीति से सम्पन्न हुआ। लक्ष्मी रूपा माता जी हमेशा ही पूज्य पिता श्री हरबंस लाल शर्मा जी की प्रेरणास्रोत रही। उनकी अर्धांगिनी के रूप में माता जी ने हमेशा समाज सेवा के कार्यों में, परोपकार के कार्यों में बढ़ चढ़ कर योगदान दिया। उन्होंने अपने विचारों एवं संस्कारों से परिवार को एकसूत्र में बांधे रखा। संयुक्त परिवार की कड़ी एच.आर. ग्रुप के विशाल साम्राज्य की आधार स्तम्भा अथाह प्रेम की स्वामिनी को हम नमन करते हैं।

माता जी का जीवन सादा, धार्मिक व प्रेरणादायक रहा। ऐसे व्यक्तित्व की कमी आर्य जगत के लिये अपूरणीय क्षति है। माता जी की आर्य समाज में अगाध श्रद्धा थी और गायत्री मंत्र में अटूट विश्वास था। वे गायत्री जाप को ही सफलता की कुंजी मानती थीं। घर में बनी हुई यज्ञशाला में पूज्या माता जी प्रतिदिन यज्ञ करती थीं। उनका सम्पूर्ण जीवन यज्ञमय था। सरल हृदया माता जी **सर्वे भवन्तु सुखिनः** की भावना रखते हुये सभी को अपने आशीर्वादों से ओत प्रोत कर देती थी। सभी से उनका अपनत्व का सम्बन्ध था। जिस किसी को भी माता जी का आशीर्वाद मिल जाता था वह अपने आप को धन्य समझता था। माता जी गौ की सेवा के लिये हमेशा तत्पर रहती थी। यही कारण था कि उनके घर में भी गौ रखी गई थी और माता जी हर संभव उनकी सेवा करती रहती थीं। माता जी अपाहिज आश्रम में भी पूरा योगदान किया करती थी। उनके दिल में दीन-दु:खियों के लिए हमेशा ममता भरी रहती थी। माता जी से प्रभावित होकर उनका परिवार भी अनेक गौशालाओं और आश्रमों के साथ जुड़ा हुआ है और हर समय गौ सेवा तथा दीन-दुखियों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। **पूज्या माता जी के तीनों सुपुत्र आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा, श्री सुरेश शर्मा, श्री नरेश शर्मा पुत्रवधू श्रीमती गुलशन शर्मा, श्रीमती ज्योति शर्मा, श्रीमती रीटा शर्मा, पौत्र सुशान्त शर्मा, ऋषिराज शर्मा, शिवम् शर्मा, पौत्रवधू राधिका शर्मा व प्रपौत्र आर्यमन, सभी बेटियां, दामाद व बच्चे उन्हें नमन कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह इस परिवार को इस क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें ताकि उनके द्वारा दिये गये संस्कारों व शिक्षा के द्वारा यह सम्पूर्ण परिवार समाज व राष्ट्र की उन्नति में अपना योगदान देते रहें।** पूज्या माता जी का इस संसार से विदा हो जाना केवल परिवार के लिये ही नहीं सम्पूर्ण समाज के लिये अपूरणीय क्षति है। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के ऊपर उनका वरदहस्त हमेशा बना रहा। हम सभी परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि पूज्या माता जी को उनके द्वारा किये गये श्रेष्ठ कर्मों के अनुसार अपने चरणों में स्थान दें तथा हम सभी को उनके द्वारा बताये गये मार्ग पर चलने की प्रेरणा दें।

पूज्या माता राजकुमारी शर्मा जी का अन्त्येष्टि संस्कार एवं अन्तिम शोक दिवस सम्पन्न

समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों एवं आर्य जगत् ने दी भाववीनी श्रद्धांजलि

आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान श्री सुदर्शन शर्मा जी की पूज्या माता एवं आर्य जगत में भामाशाह के नाम से विख्यात स्व. पं. हरबंसलाल शर्मा जी की धर्मपत्नी श्रीमती राजकुमारी शर्मा जी का 26 मई को देहान्त हो गया था। पूज्या माता जी के पार्थिव शरीर को 27 मई को सुबह अन्तिम दर्शन के लिए रखा गया। समाज के सभी वर्ग के लोगों ने पूज्या माता जी के अन्तिम दर्शन करके अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। पूज्या माता जी की शवयात्रा ने नगर में भव्य शोभायात्रा का रूप धारण कर लिया। पूरे रास्ते में लोगों द्वारा पुष्प वर्षा की गई और भजनों के द्वारा श्रद्धाजंलि दी गई। दोपहर 1:00 बजे उनका अन्तिम संस्कार माडल टाऊन शमशान घाट में पूर्ण वैदिक रीति से किया गया।

29 मई को सुबह 8:00 बजे अस्थि चयन किया गया और दोपहर 12:00 से 1:30 बजे तक अन्तिम शोक दिवस सम्पन्न हुआ। इससे पूर्व परिवार में प्रतिदिन यज्ञ होता रहा। परिवार के सभी सदस्यों, उनके सम्बन्धियों ने हवन यज्ञ में आहुतियां डालकर पूज्या माता राज कुमारी शर्मा जी की आत्मिक शान्ति के लिए प्रार्थना की। जालन्धर के प्रसिद्ध देशभक्त यादगार हाल में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस शोक सभा में पंजाब की समस्त आर्य समाजों एवं शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधि और स्टॉफ शामिल हुआ। समाज के राजनीतिक दलों की तरफ से, सामाजिक संस्थाओं की तरफ से, धार्मिक संस्थाओं की तरफ से प्रतिनिधि शामिल हुए। अन्तिम शोक दिवस का प्रारम्भ गायत्री मन्त्र एवं ईश्वर स्तुति प्रार्थनोपासना के मन्त्रों द्वारा किया गया। सभी ने मिलकर गायत्री महामन्त्र और प्रार्थना मन्त्रों का पाठ करते हुए दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए प्रभु से प्रार्थना की। मंच का संचालन करते हुए सभा के उपप्रधान एवं पूर्व कुलपति गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय हरिद्वार श्री स्वतन्त्र कुमार जी ने पूज्या माता जी के गुणों का वर्णन करते हुए बताया कि माता जी का जीवन शुद्ध और सात्विक था। गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार को उनका आशीर्वाद हमेशा मिलता रहा। इनके पति स्व. पं. हरबंसलाल शर्मा जी ने कुलाधिपति रहते हुए गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार में अनेकों विकास कार्य कराए। स्व. पं. हरबंसलाल शर्मा जी एवं माता राजकुमारी शर्मा जी एक आदर्श दम्पत्ति थे। संसार में रहते हुए भी ऋषियों की तरह त्याग का जीवन व्यतीत किया। जहां कहीं आर्य समाज का कार्यक्रम होता था दोनों पति-पत्नी सबसे पहले पहुंचकर यजमान बनकर विद्वानों, सन्यासियों से आशीर्वाद लिया करते थे। दोनों पति-पत्नी समाज सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया करते थे। माता जी नित्य प्रति यज्ञ करती थी। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के भजनोपदेशक श्री जगत वर्मा जी ने अपने भजनों के माध्यम से श्रद्धांजलि देते हुए सभी की आँखों को नम कर दिया। पहले भजन के माध्यम से श्री जगत वर्मा जी ने कहा कि हम कभी माता-पिता का ऋण चुका सकते नहीं, इनके तो अहसाँ हैं इतने हम गिना सकते नहीं। माँ को समर्पित दूसरा भजन सुनाते हुए कहा कि **कहां हो माँ तुझे तेरे दुलारे याद करते हैं** इस भजन को सुनकर सभी ने पूज्या माता जी को याद किया। करनाल से आए स्वामी सम्पूर्णानन्द जी ने शास्त्रों के आधार पर जीवन और मृत्यु के ऊपर चिन्तन करते हुए उपस्थित सभी लोगों को शुभ कर्म करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि पूज्या माता राजकुमारी शर्मा जी ने वेद के अनुसार अपना जीवन बिताते हुए हमेशा शुभ कर्म किए। स्वामी जी ने कहा कि परमात्मा ने मनुष्य को मानव तन देकर इस संसार में शुभ कर्म करने के लिए भेजा है। प्राणी इस संसार में जैसा कर्म करता है परमात्मा की न्याय व्यवस्था से वैसा ही फल पाता है। वेद मन्त्र का उदाहरण देते हुए स्वामी जी ने कहा कि मनुष्य को इस संसार में श्रेष्ठ कर्म करते हुए सौ वर्षों तक जीने की इच्छा करनी चाहिए। बिना कर्म किए मनुष्य की जीवन यात्रा नहीं चल सकती। इस नाशवान शरीर में रहते हुए मनुष्य को हमेशा श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। पूज्या माता जी ने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग किया है। पूज्या माता जी हर समय प्रभु चिन्तन और सेवा कार्यों में तत्पर रहती थी। ऐसी पवित्र आत्मा को श्रद्धांजलि देते हुए हमें भी उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। जिस प्रकार से यह परिवार समाज की सेवा कर रहा है आगे भी इसी प्रकार करता रहे। परमात्मा की असीम कृपा दृष्टि इस परिवार पर हमेशा बनी रहे। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के विद्वान् आचार्य सुरेश शास्त्री जी ने माता जी के जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि माता जी का जीवन और कार्य इतने विस्तृत हैं कि थोड़े से समय में बयां नहीं किया जा सकता और कुछ कागज के पन्नों पर अंकित नहीं किया जा सकता। समाज सेवा के क्षेत्र में, गौ सेवा के कार्यों में, गुरूकुलों, आश्रमों के क्षेत्र में इस परिवार ने सेवा के नए आयाम स्थापित किए हैं। पूज्या माता जी धार्मिक विचारों की महिला थी। अपने विचारों और संस्कारों के द्वारा उन्होंने परिवार को एकता के सूत्र में बांध कर रखा। स्व. श्री हरबंसलाल शर्मा जी की अर्धांगिनी के रूप में पूज्या माता जी ने समाज में परोपकार के कार्यों में बढ़-चढ़कर योगदान दिया। माता जी के जीवन का प्रत्येक क्षण प्रभु भक्ति, गायत्री मन्त्र के जाप और परोपकार के कार्यों में बीतता था। माता जी के मन में गौ माता के प्रति अगाध सेवा भावना थी। इनके द्वार से कोई भी प्राणी

चाहे वह मनुष्य हो या पशु भूखा नहीं जाता था। अतिथि सत्कार की भावना इनमें कूट-कूट कर भरी हुई थी। अनेकों विद्वान्, सन्यासी, अतिथि उनके आतिथ्य सत्कार को पाकर धन्य हो जाते थे। माता निर्माता भवति माँ निर्माण करने वाली होती है। इस निर्माण कला को पूज्या माता जी ने पूर्णरूप से अपने परिवार पर सार्थक किया है। इसी का परिणाम है कि आज इनके तीनों सुपुत्र, पुत्रवधूएं, सम्पूर्ण परिवार उनके पदचिह्नों पर चलते हुए समाज में अपना योगदान दे रहा है। अपने पूज्य पिता जी एवं माता जी के यशरूपी शरीर की सुगन्धि को यह परिवार समाज में फैला रहा है। चाहे कहीं प्राकृतिक आपदा हो, भूकम्प हो, श्रेष्ठ कार्य हो, सबसे पहली आहुति इस परिवार के द्वारा दी जाती है। अनेकों गुरूकुलों, अनाथालयों, गौशालाओं, अपाहिज आश्रमों, वृद्धाश्रमों और समाजसेवी संस्थाओं के लिए यह परिवार दिल खोलकर दान देता है। परिवार के बड़े सुपुत्र श्री सुदर्शन शर्मा जी आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के प्रधान पद पर रहते हुए इस संस्था की तन-मन और धन से सेवा कर रहे हैं। इनके संरक्षण में यह संस्था खूब उन्नति कर रही है। वेदों के प्रचार-प्रसार के लिए वैदिक साहित्य यहां आधे मूल्य पर दिया जाता है। श्री सुदर्शन शर्मा जी हर समय जरूरतमन्दों की सहायता करने के लिए तत्पर रहते हैं। राजस्थान सीकर से पधारे सांसद स्वामी सुमेधानन्द जी ने पूज्या माता जी को श्रद्धाजंलि देते हुए कहा कि जीवन में जिसका यश है, कीर्ति है वही जीता है और पूज्या माता जी ने इस उक्ति को चरितार्थ करके दिखाया है। धन की तीन गतियां दान, भोग और नाश के ऊपर प्रकाश ड़ालते हुए स्वामी जी ने कहा कि इस परिवार ने धन की श्रेष्ठ गति दान का चयन किया और अपने धन का सदुपयोग किया। पूज्या माता को श्रद्धाजंलि देते हुए उन्होंने कहा कि माता जी का गुरूकुलों के प्रति, सन्यासियों के प्रति, विद्वानों के प्रति विशेष लगाव था। स्वामी जी ने कहा कि अगर हम पं. हरबंसलाल शर्मा जी को भामाशाह के रूप में याद करते हैं तो इसके पीछे की शक्ति और प्रेरणास्रोत श्रीमती राजकुमारी शर्मा जी ही थी। उन्होंने जहां परिवार के निर्माण में अपने उत्तरदायित्व का जिम्मेवारी से वहन किया वहीं समाज सेवा के क्षेत्र में भी कन्धे से कन्धा मिलाकर पं. हरबंसलाल शर्मा जी का साथ दिया। मुझे पं. हरबंसलाल शर्मा जी के साथ सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा का कार्य करते हुए पूज्या माता जी का सानिध्य प्राप्त हुआ है। उनकी वाणी की मधुरता सबका मन मोह लेती थी। हर किसी को अपनत्व की भावना से देखना उनका विशेष गुण था। इसी गुण के कारण वे सबके दिलों पर राज करती थी। पंजाब की समस्त आर्य समाजों, शिक्षण संस्थाओं एवं परिवार की तरफ से सभी आए हुए लोगों का धन्यवाद करते हुए सभा महामन्त्री श्री प्रेम भारद्वाज जी ने कहा कि हम सभी को पूज्या माता जी के बताए गए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूज्या माता जी का सम्पूर्ण जीवन प्रेरणादायक और आदर्श रहा है। पूज्या माता जी जिसके सिर पर हाथ रख देती थी वह धन्य हो जाता था। पूज्य माता जी के निधन से केवल परिवार की ही क्षति नहीं हुई है अपितु सम्पूर्ण आर्य जगत की अपूरणीय क्षति हुई है। आज हम पूज्य माता के आशीर्वाद से वंचित हो गए हैं। माता जी का जीवन शुद्ध, सात्विक और आध्यात्मिक था। आप सभी दु:ख की घड़ी में परिवार के साथ सम्मिलित हुए हैं इसके लिए आपका तहे दिल से धन्यवाद करता हूं। आपके प्यार और आशीर्वाद से परिवार का दु:ख कम होगा। उन्होंने सम्पूर्ण आर्य समाजों एवं शिक्षण संस्थाओं से आए अधिकारियों, स्टॉफ, एवं समाज के प्रत्येक वर्ग से आए लोगों का धन्यवाद करते हुए पूज्या माता जी की आत्मिक शान्ति की कामना की। तत्पश्चात सुरेश शास्त्री जी ने रस्म पगड़ी की रस्म सम्पन्न कराई। शान्तिपाठ के साथ प्रार्थना सभा सम्पन्न हुई।

इस अवसर पर तमाम राजनीतिक संगठनों के, धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने पहुंच कर माता की को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के वरिष्ठ उपप्रधान श्री सरदारी लाल जी आर्यरत्न, उपप्रधान श्री देवेन्द्र शर्मा, श्री चौ. ऋषिपाल सिंह एडवोकेट, श्री स्वतन्त्र कुमार, श्री मुनीष सहगल, श्रीमती राजेश शर्मा, महामन्त्री श्री प्रेम भारद्वाज, मन्त्री श्री विजय साथी, श्री विपिन शर्मा जी, श्री परविन्द्र चौधरी, श्री विजय सरीन, श्री रातुल शर्मा, श्री रणजीत आर्य, श्री शादी लाल महेन्द्रू, कोषाध्यक्ष श्री सुधीर शर्मा, रजिस्ट्रार श्री अशोक परूथी एडवोकेट, वेद प्रचार अधिष्ठाता श्री सुरेन्द्र मोहन तेजपाल, अधिष्ठाता साहित्य विभाग श्री विनोद भारद्वाज, अधिष्ठाता आर्य वीर दल श्री देशबन्धु जी चोपड़ा तथा सभी अन्तरंग सदस्य और पंजाब की समस्त आर्य समाजों एवं शिक्षण संस्थाओं के प्रधान, मन्त्री तथा अन्य महानुभाव उपस्थित थे। हीरो ग्रुप की तरफ से श्री सुरेश मुंजाल जी भी उपस्थित थे। शहर के गणमान्य व्यक्तियों में श्री कमल किशोर डिप्टी कमीश्नर, एस. आर. लद्द़ ए. आई. एस., चौधरी संतोख सिंह सांसद, श्री मनोरंजन कालिया पूर्व मन्त्री, श्री कृष्णदेव भण्ड़ारी मुख्य संसदीय सचिव, मास्टर मोहन लाल पूर्व मन्त्री, श्री महेन्द्र भगत, मेयर सुनील ज्योति, पूर्व मेयर श्री राकेश राठौर, श्री जगबीर बराड़, श्री राकेश पाण्ड़े, श्री जोगिन्द्रपाल, श्री अवतार हैनरी, श्री जगमीत बराड़, श्री शीतल विज प्रमुख उद्योगपति एवं दैनिक सवेरा के सम्पादक, श्री ललित मोहन पाठक प्रधान नगर कौंसिल नवांशहर तथा और भी प्रमुख राजनीतिक, सामाजिक एवं उद्योग वर्ग के सभी प्रमुख हस्तियां पधारी हुई थी। इस अवसर पर तमाम आर्य समाजों एवं शिक्षण संस्थाओं एवं समाजसेवी संस्थाओं तथा राजनीतिक दलों की तरफ से शोक संदेश प्राप्त हुए।

जिन-जिन संस्थाओं से शोक संदेश प्राप्त हुए उनके नाम नीचे दिए जा रहे हैं। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, आर्य समाज चौक बठिंडा, आर्य मॉडल सी. सै. स्कूल बठिंडा, एस.एस.एन. आर्य हाई स्कूल रामां बठिंडा, आर्य समाज मानसा, आर्य समाज तलवण्डी साबो, आर्य समाज धूरी, आर्य कॉलेज धूरी, आर्य गर्ल्ज सी. सै. स्कूल लुधियाना, आर्य कालेज लुधियाना, फैडरेशन ऑफ जालन्धर

इन्डस्ट्रियल ट्रेडर्ज एसोसियेशन, दैनिक भास्कर परिवार, दीपक जालन्धरी, नरेश गुजराल मैम्बर ऑफ पार्लियामैन्ट, आर्य समाज शहीद भगत सिंह नगर जालन्धर, श्री देवी तालाब मन्दिर प्रबन्धक कमेटी, माईक्रो एण्ड स्मॉल इन्टरप्राईसिज, गुरू गोबिन्द सिंह ऐवन्यू वेलफेयर सोसायटी, सूर्या एन्क्लेव वैलफेयर सोसायटी, श्री राम मन्दिर प्रबन्धक कमेटी, हिन्द सेवा समिति जालन्धर, आर्य समाज गौशाला रोड़ फगवाड़ा, आर्य समाज वेद मन्दिर आर्य नगर, अपाहिज आश्रम जालन्धर, आर्य कन्या सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल बस्ती नौ जालन्धर, आर्य समाज मन्दिर शास्त्री नगर जालन्धर, आर्य समाज मॉडल टाऊन जालन्धर, डी.एम. कॉलेज ऑफ एजुकेशन मोगा, आर्य गर्ल्ज हाई स्कूल मोरिण्ड़ा, आर्य समाज मोरिण्ड़ा, आर्य समाज मोहाली, आर्य समाज सैक्टर- 22 चण्डीगढ़, देवकी नन्दन जैन मैमोरियल कॉलेज फॉर वूमैन लुधियाना, आर्य समाज मन्दिर सरहिन्द जिला फतेहगढ़ साहिब, माता प्रसन्नी देवी आर्य मॉडल स्कूल, आर्य मॉडल हाई स्कूल मोरिण्ड़ा, श्री महालक्ष्मी मन्दिर प्रबन्धक कमेटी जालन्धर, आर. के. आर्य कॉलेज नवांशहर. श्री गीता जयन्ती महोत्सव कमेटी जालन्धर, श्री चैतन्य महाप्रभु श्री राधा माधव मंदिर प्रताप बाग जालन्धर, आर्य समाज मन्दिर गान्धी नगर-1 जालन्धर, आर्य समाज वेद मन्दिर गांधी नगर-2 जालन्धर, ब्राह्मण कल्याण परिषद जालन्धर, महर्षि दयानन्द मठ वेद मन्दिर ढन्न मोहल्ला जालन्धर, आर्य समाज अलावलपुर, आर्य सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल बस्ती गुजां जालन्धर, कन्या महाविद्यालय जालन्धर, आर्य समाज सुल्तानपुर लोधी, आर्य समाज कपूरथला, आर्य शिक्षा मण्ड्ल जालन्धर, दोआबा कॉलेज जालन्धर, दैनिक सवेरा टाईम्स, डी. एम. कॉलेज मोगा, आर्य समाज मोगा, आर्य मॉडल हाई स्कूल मोगा, आर्य गर्ल्ज हाई स्कूल मोगा, लघु उद्योग भारती जालन्धर, आर्य समाज रायकोट, स्वामी गंगागिरी जनता गर्ल्ज कॉलेज रायकोट, दैनिक जागरण परिवार, डी. ए. एन. कॉलेज ऑफ एजुकेशन फॉर वूमैन नवांशहर, बी. एल. एम. गर्ल्ज कॉलेज नवांशहर, अध्यक्ष जिला महिला कांग्रेस, आर्य समाज मन्दिर चौक आर्य समाज पटियाला, आर्य कन्या हायर सैकेण्ड्री स्कूल पटियाला, श्रीराम आर्य सी.सै.स्कूल पटियाला, आर्य समाज मन्दिर मेन बाजार फरीदकोट, मानव सहयोग सोसायटी जालन्धर, वैदिक सत्संग परिवार कपूरथला, आर्य समाज मन्दिर फिरोजपुर छावनी, स्त्री आर्य समाज चरथावल जिला उत्तर प्रदेश, नार्दन चैम्बर ऑफ स्माल मीडियम इन्डस्ट्रीज जालन्धर, जालन्धर इन्डस्ट्रियल फोकल प्वांयट एसोसियेशन जालन्धर, आर्य समाज बंगा रोड़ फगवाड़ा, आर्य समाज बाजार श्रद्धानन्द अमृतसर, डब्ल्यू. एल. आर्य गर्ल्ज सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल नवांशहर, गुरू नानक मिशन हॉस्पिटल ट्रस्ट जालन्धर, आर्य समाज घिलौड़ी गेट पटियाला, भारतीय जनता पार्टी जिला संगरूर, आर्य समाज मालेरकोटला, आर्य समाज कमालपुर होशियारपुर, आर्य समाज धारीवाल गुरदासपुर, आर्य समाज बाजार श्रद्धानन्द अमृतसर, स्त्री आर्य समाज दाल बाजार लुधियाना, आर्य समाज स्वामी श्रद्धानन्द बाजार साबुन बाजार लुधियाना, स्त्री आर्य समाज स्वामी श्रद्धानन्द बाजार साबुन बाजार लुधियाना, आर्य समाज वेद मन्दिर भार्गव नगर जालन्धर, लुधियाना इन्डस्ट्रियल एरिया, डी. ए. एन. आर्ट एण्ड़ क्राफ्ट कॉलेज नवांशहर, आर्य समाज सराभा नगर लुधियाना, आर्य पुत्री पाठशाला दोराहा लुधियाना, आर्य समाज पार्क लेन लुधियाना, आर्य समाज ऋषि नगर लुधियाना, आर्य समाज मन्दिर फील्डगंज लुधियाना, जिला आर्य सभा लुधियाना, आर्य समाज मॉडल टाऊन लुधियाना, आर्य समाज मन्दिर जवाहर नगर लुधियाना, आर्य हाई स्कूल गुरू नानक नगर पटियाला, जालन्धर आर्य समाज अड्डा होशियारपुर जालन्धर, गुरू विरजानन्द स्मारक समिति ट्रस्ट करतारपुर जिला जालन्धर, अन्तिम स्थान स्वर्ग आश्रम कोट किशन चन्द जालन्धर, आर्य समाज मोहल्ला गोबिन्दगढ़ जालन्धर, आर्य समाज महर्षि दयानन्द चौक गढ़ा, जालन्धर, गोपाल इन्टरप्राईसिज मुम्बई, दोआबा आर्य सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल नवांशहर, आर्य समाज नवांशहर, आर्य समाज मन्दिर लसूड़ी मोहल्ला बस्ती दानिशमन्दा जालन्धर, डॉ. आसानन्द आर्य मॉडल सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल नवांशहर, आर्य गर्ल्ज सीनियर सैकेण्ड़ी स्कूल बठिण्ड़ा, दयानन्द पब्लिक स्कूल लुधियाना, डी. एन. मॉडल सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल मोगा, आर्य समाज सरहिन्दी गेट पटियाला, श्री लाल बहादुर शास्त्री आर्य महिला कॉलेज बरनाला, श्री लाल बहादुर शास्त्री आर्य महिला कॉलिजिएट सी. सै. स्कूल बरनाला, गान्धी आर्य हाई स्कूल बरनाला, गान्धी आर्य सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल बरनाला, दयानन्द केन्द्रीय विद्या मन्दिर बरनाला, आर्य मॉडल स्कूल बरनाला, आर्य समाज बरनाला संगरूर, नगर कौंसिल बरनाला, जिला क्रिकेट एसोसियेशन बरनाला, जिला बार एसोसिएशन बरनाला, अग्रवाल सभा बरनाला, भगत मोहन लाल सेवा समिति बरनाला, राम बाग कमेटी बरनाला, आर्य समाज मेन बाजार पठानकोट, आर्य समाज सुजानपुर, आर्य समाज माडल टाउन पठानकोट, आर्य समाज दीनानगर, आर्य समाज गुरदासपुर, आर्य समाज धारीवाल, आर्य समाज होशियारपुर, आर्य समाज मुकेरियां, आर्य समाज तलवाडा, आर्य समाज अबोहर, आर्य समाज फाजिल्का, आर्य समाज जीरा, आर्य समाज मक्खू, आर्य समाज खरड़ जिला मोहाली, आर्य समाज बलाचौर, आर्य समाज बंगा, आर्य समाज तपा, आर्य समाज संगरूर, आर्य समाज फरीदकोट, आर्य समाज मालेरकोटला, आर्य समाज सुल्तानपुर लोधी, आर्य समाज कपूरथला, आर्य समाज अहमदगढ़ मंडी, आर्य उपदेशक मंडल, अपाहिज गौ सेवा आश्रम बरनाला, मार्निंग वाक् पार्टी, शिवानी पार्क मॉडल टाऊन जालन्धर, आर्य समाज समाना, आर्य समाज खन्ना, एम. डी. टी इन्डस्ट्रीज जालन्धर के शोक संदेश प्राप्त हुए।

अन्तिम दर्शन के रखा गया पूज्य माता राजकुमारी शर्मा जी का पार्थिव शरीर।

माता जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते उनके सुपुत्र श्री नरेश शर्मा।

पूज्य माता राजकुमारी शर्मा जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते उनके सुपुत्र श्री सुरेश शर्मा।

पूज्य माता राजकुमारी शर्मा जी के पार्थिव शरीर के अन्तिम दर्शन करते हुए उनके पोते सुशान्त शर्मा व शिवम शर्मा।

अपनी पूज्य पड़दादी को श्रद्धासुमन अर्पित करता आर्यमन शर्मा व साथ में श्रीमती गुलशन शर्मा व श्रीमती ज्योति शर्मा।

ऋषिराज शर्मा अपनी पूज्या दादी जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए।

पूज्य माता जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए दैनिक सवेरा के मुख्य संपादक श्री शीतल विज एवं सभा कोषाध्यक्ष श्री सुधीर शर्मा जी।

श्री सुशान्त शर्मा जी अपनी पूज्य दादी जी के पार्थिव शरीर के अन्तिम दर्शन करते हुए।

पूज्य माता जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके पोते ऋषिराज शर्मा व अन्य पारिवारिक सदस्य।

पूज्य माता जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए पूर्व विधायक व सभा मन्त्री श्री विजय साथी जी मोगा।

पूज्य माता जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए सभा महामन्त्री श्री प्रेम भारद्वाज, वरिष्ठ उपप्रधान श्री सरदारी लाल, कोषाध्यक्ष श्री सुधीर शर्मा एवं रजिस्ट्रार श्री अशोक परूथी।

पूज्य माता राजकुमारी शर्मा जी के अन्तिम दर्शन करते हुए उनके ज्येष्ठ सुपुत्र श्री सुदर्शन शर्मा, ऋषिराज शर्मा व श्री प्रेम भारद्वाज, श्री सरदारी लाल, श्री अशोक परूथी व अन्य।

पूज्य माता राजकुमारी शर्मा जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते श्री सुदर्शन शर्मा, पोते सुशान्त शर्मा व ऋषिराज शर्मा।

आर्य समाज मोगा के पदाधिकारी पूज्य माता जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए।

पूज्य माता राजकुमारी शर्मा जी के पार्थिव शरीर के दर्शन करते उनके बड़े सुपुत्र श्री सुदर्शन शर्मा साथ में श्री स्वतन्त्र कुमार, श्री सरदारी लाल, श्री शीतल विज, श्री विजय साथी व पोते सुशान्त शर्मा।

अपने श्रद्धासुमन अर्पित करती हुई पुत्रवधुएं श्रीमती गुलशन शर्मा, श्रीमती ज्योति शर्मा, श्रीमती रीटा शर्मा व अन्य परिवार के सदस्यगण।

पूज्य माता जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते परिवार के सदस्यगण।

पूज्य माता जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए मुख्य संसदीय सचिव श्री के. डी. भण्डारी।

श्री सुदर्शन शर्मा जी के साथ शोक संवेदना व्यक्त करते दैनिक सवेरा के मुख्य संपादक श्री शीतल विज व स्वामी अग्नयानन्दी जी।

पूज्या माता जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यगण।

आर्य समाज पटियाला के महानुभाव पूज्य माता जी के पार्थिक शरीर पर शॉल चढ़ाते हुए।

पुष्प चक्र चढ़ाकर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शहर के गणमान्य महानुभाव।

पूज्या माता जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए।

पूज्या माता जी के पार्थिव शरीर के दर्शन करते हुए परिवार के सदस्य एवं अन्य लोग।

भारी जन समूह के बीच पूज्या माता जी के पार्थिव शरीर को अन्तिम संस्कार के लिए शमशानघाट लेकर जाते हुए।

पूज्या माता जी के पार्थिव शरीर पर शॉल चढ़ाते मेयर श्री सुनील ज्योति, श्री के. डी. भण्डारी व अन्य लोग।

मुखाग्नि देते हुए माता जी के तीनों सुपुत्र श्री सुदर्शन शर्मा, श्री सुरेश शर्मा व श्री नरेश शर्मा।

परिवार के सदस्यों के साथ शोक संवेदना व्यक्त करते शहर के गणमान्य लोग।

अन्तिम शोक दिवस में पूज्या माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते उनके बड़े सुपुत्र श्री सुदर्शन शर्मा, पुत्रवधू श्रीमती गुलशन शर्मा।

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूज्या माता जी के सुपुत्र श्री सुरेश शर्मा।

पूज्या माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इनके पोते ऋषिराज शर्मा।

स्वामी सुमेधानन्द सांसद सीकर (राज.) पूज्या माता जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए।

श्री मनोरंजन कालिया विधायक व पूर्व मन्त्री पूज्या माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

पूर्व मन्त्री मास्टर मोहन लाल पूज्या माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

दैनिक सवेरा के मुख्य संपादक श्री शीतल विज पूज्या माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

पूर्व मेयर श्री राकेश राठौर माता जी को श्रद्धांजलि देते हुए।

पूर्व सांसद श्री मोहिन्दर सिंह के. पी. पूज्या माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

सांसद श्री संतोख सिंह चौधरी पूज्या माता जी को श्रद्धांजलि भेंट करते हुए।

जिला अकाली दल के प्रधान श्री गुरचरन सिंह चन्नी पूज्या माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

पूज्या माता जी को दूर-दूर से श्रद्धांजलि देने के लिए आई हुई पंजाब की समस्त आर्य समाजों की ओर से माताएं।

मेयर श्री सुनील ज्योति पूज्या माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

पूज्या माता जी को श्रद्धांजलि देने के लिए मंच पर विराजमान स्वामी सुमेधानन्द, स्वामी सम्पूर्णानन्द व सुरेश शास्त्री।

परिवार के साथ शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए उपस्थित हुए श्री के. डी.भण्डारी, मा. मोहन लाल, शीतल विज व अन्य।

शोक सभा में बैठे हुए परिवार के सदस्य श्री सुदर्शन शर्मा, श्री सुरेश शर्मा, श्री नरेश शर्मा व श्री सुशान्त शर्मा।

शोक सभा में उपस्थित माता जी की पुत्रवधुएं श्रीमती गुलशन शर्मा, श्रीमती ज्योति शर्मा, श्रीमती रीटा शर्मा व अन्य परिवार की स्त्रियां।

शोक सभा में सम्मिलित श्री शीतल विज, सांसद श्री संतोख सिंह चौधरी व अन्य गणमान्य महानुभाव।

पंजाब की समस्त आर्य समाजों की ओर से शोक सभा में उपस्थित माताएं।

पूज्या माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूर्व मन्त्री श्री अवतार हैनरी।

शोक सभा में उपस्थित जालन्धर शहर के मेयर श्री सुनील ज्योति, श्री मनोरंजन कालिया, जिलाधीश श्री के.के. यादव व अन्य।

पंजाब की भिन्न-2 आर्य समाजों एवं शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधि पूज्या माता जी को श्रद्धांजलि देने के लिए उपस्थित हुए।

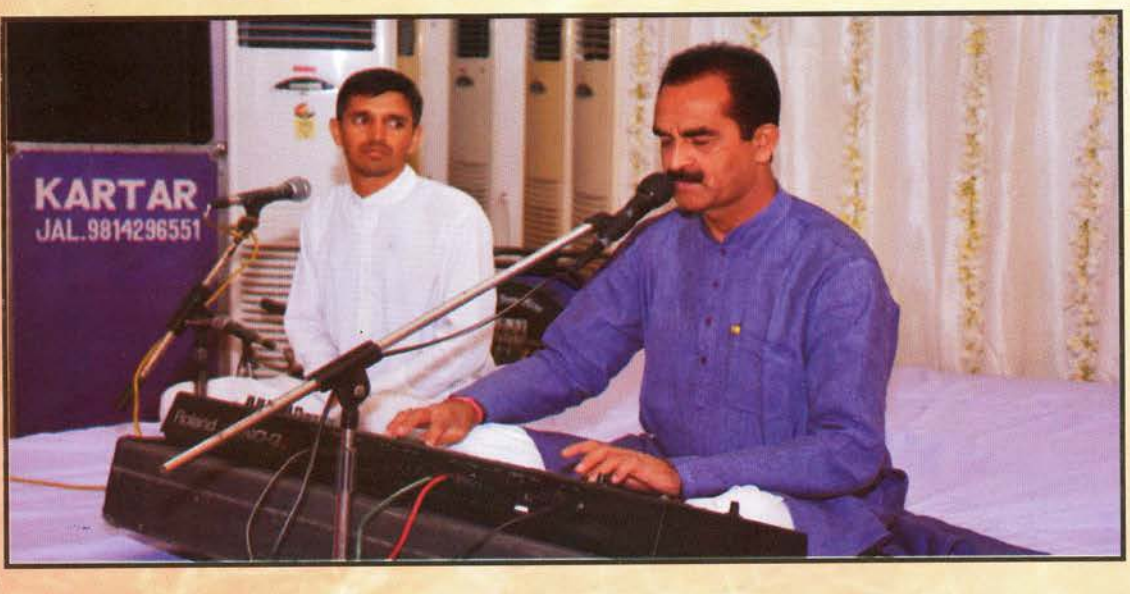

अपने सुमधुर भजनों के माध्यम से श्रद्धांजलि देते हुए भजनोपदेशक श्री जगत वर्मा जी।

शोक सभा में उपस्थित श्री मनोरंजन कालिया विधायक व पूर्व मन्त्री, श्री जगबीर बराड़, श्री के. डी. भण्डारी व अन्य महानुभाव।

पूज्या माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री जगबीर बराड़।

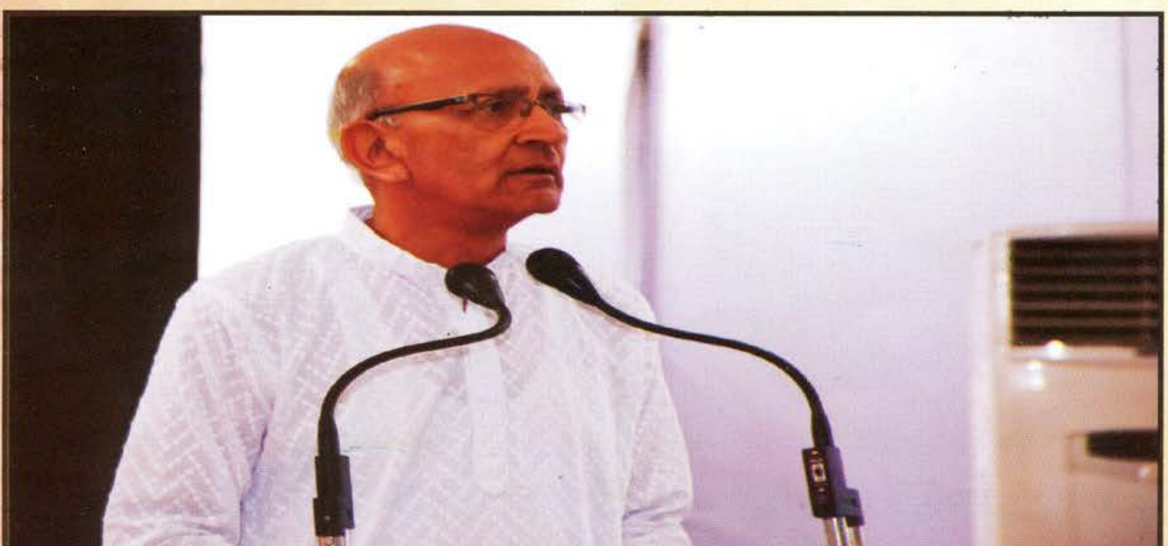

सभी आए हुए लोगों का परिवार की ओर से धन्यवाद करते हुए आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के महामन्त्री श्री प्रेम भारद्वाज जी।

पगड़ी की रस्म अदा करते हुए पूज्या माता जी के सुपुत्र श्री सुदर्शन शर्मा, श्री सुरेश शर्मा व श्री नरेश शर्मा।

शोक सभा में उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए परिवार के श्री सुदर्शन शर्मा, श्री सुरेश शर्मा, श्रीमती गुलशन शर्मा, श्रीमती ज्योति शर्मा।

श्री शीतल विज मुख्य संपादक दैनिक सवेरा का आभार व्यक्त करते हुए श्री सुदर्शन शर्मा जी के छोटे भाई श्री नरेश शर्मा।

श्री प्रेम भारद्वाज महामन्त्री, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक द्वारा आर. के. प्रिटर्स प्रैस, टाण्डा फाटक जालन्धर से मुद्रित होकर आर्य मर्यादा कार्यालय, गुरुदत्त भवन, चौक किशनपुरा, जालन्धर से इसकी स्वामिनी आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब के लिए प्रकाशित हुआ।